चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 03 अगस्त 2026, अंक –327.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

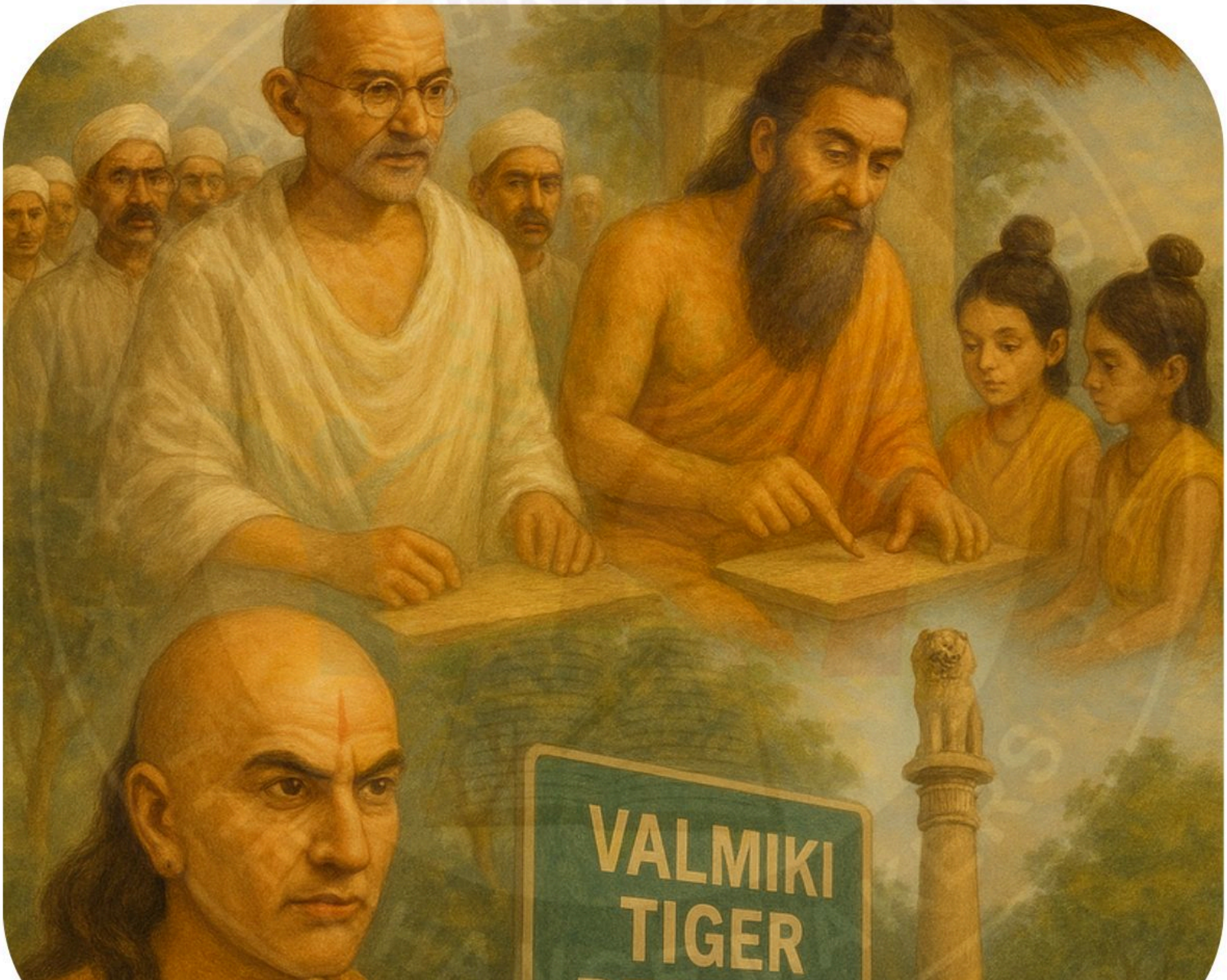

"जितना अधिक आप पढ़ेंगे, उतनी ही अधिक चीज़ें आप जानेंगे।" — डॉ. स्यूस

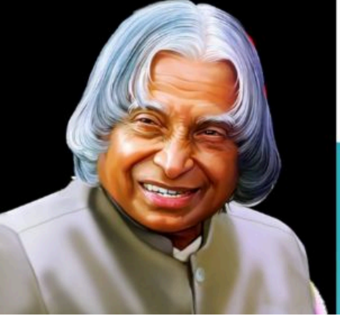

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ऑस्ट्रिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: वियना
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय थल सेनाध्यक्ष (Commander-in-Chief) कौन थे?
उत्तर: के. एम. करियप्पा
प्रश्न 3. 'तेराताली' लोकनृत्य किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. 0.125 को भिन्न (Fraction) में लिखिए।
उत्तर: 1/8
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'बरैला झील' किस जिले में है?
उत्तर: वैशाली
प्रश्न 6. बालपाक्रम राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मेघालय
प्रश्न 7. बैटरी (Electric Battery) का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: अलेस्सांद्रो वोल्टा
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भारत की नागरिकता (Citizenship) संबंधी प्रारंभिक प्रावधान दिए गए हैं?
उत्तर: अनुच्छेद 5–11
प्रश्न 9. 'कमल' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: सरोज
प्रश्न 10. हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
उत्तर: बृहस्पति

संकलन:-
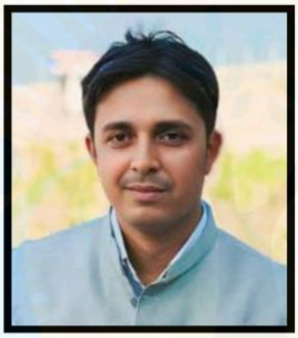
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Breath – (ब्रेथ) – श्वास
Pulse – (पल्स) – नाड़ी
Voice – (वॉइस) – आवाज़
Throat – (थ्रोट) – गला
Forehead – (फोरहेड) – माथा
Nail – (नेल) – नाखून
Palm – (पाम) – हथेली

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “तुम ... नहीं करोगे/करोगी” (You will not / You won't ...)
तुम कल नहीं पढ़ोगे/पढ़ोगी। – You will not study tomorrow.
तुम मेरी मदद नहीं करोगे/करोगी। – You will not help me.
तुम समय पर नहीं आओगे/आओगी। – You will not come on time.
तुम अपना काम पूरा नहीं करोगे/करोगी। – You will not finish your work.
तुम अंग्रेज़ी नहीं सीखोगे/सीखोगी। – You will not learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 3 अगस्त को भारत में "विश्व स्तनपान सप्ताह" (World Breastfeeding Week: 1-7 August 2026) के अंतर्गत कौन सी थीम मनाई जा रही है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: "Closing the Gap — Breastfeeding Support for All"

व्याख्या: प्रतिवर्ष 1-7 अगस्त को "विश्व स्तनपान सप्ताह" (World Breastfeeding Week) मनाया जाता है — 2026 की थीम है "Closing the Gap — Breastfeeding Support for All" जो स्तनपान समर्थन में असमानताओं को दूर करने पर केंद्रित है। इसे "World Alliance for Breastfeeding Action (WABA)" द्वारा आयोजित किया जाता है। WHO और UNICEF के अनुसार स्तनपान से शिशु-मृत्यु दर में 20% तक कमी आ सकती है — यह शिशु के लिए सबसे पोषक एवं सुरक्षित आहार है। भारत में "माँ" (Mother's Absolute Affection) कार्यक्रम स्तनपान को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की प्रमुख पहल है। 3 अगस्त को राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो का अंतिम दिन (समापन समारोह) भी है।

संदर्भ: WABA Official — worldbreastfeedingweek.org; WHO Breastfeeding Factsheet;

प्र.2. राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में 31 जुलाई (दिवस 8) को नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक फाइनल में कितने मीटर के थ्रो के साथ कौन सा पदक जीता? (समसामयिक घटना)

उत्तर: रजत पदक; 85.83 मीटर

व्याख्या: 31 जुलाई 2026 को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दिवस 8 में नीरज चोपड़ा ने पुरुष भाला फेंक फाइनल में 85.83 मीटर के सीजन-बेस्ट थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इसी दिन युवा जेवलिन थ्रोअर यशवीर सिंह ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 85.41 मीटर के साथ कांस्य पदक जीतकर भारत का दोहरा पोडियम फिनिश सुनिश्चित किया। इसी दिन जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने भारत के पहले CWG स्वर्ण पदक जीते और सभी 10 भारतीय मुक्केबाज़ फाइनल में पहुँचे। राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक 74 देशों ने भाग लिया। यह नीरज का दूसरा CWG पदक था — पहला 2018 में स्वर्ण था।

संदर्भ: olympics.com India CWG Day 8 Historic Judo Golds, 31 July 2026;

प्र.3. "पंचतंत्र" की कथाओं के रचयिता कौन माने जाते हैं और इसका अनुवाद सर्वप्रथम किस भाषा में हुआ? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: विष्णु शर्मा; पहलवी (फारसी)

व्याख्या: "पंचतंत्र" संस्कृत साहित्य का एक अत्यंत प्रसिद्ध नीति-कथा ग्रंथ है जिसकी रचना आचार्य "विष्णु शर्मा" ने की थी। इसमें पाँच तंत्र (खंड) हैं — मित्रभेद, मित्र-संप्राप्ति, काकोलूकीयम्, लब्धप्रणाश और अपरीक्षितकारक। इसमें पशु-पक्षियों के माध्यम से राजनीति, नैतिकता और व्यावहारिक जीवन की शिक्षाएँ दी गई हैं। 6वीं शताब्दी में इसका "पहलवी" (मध्य फारसी) में अनुवाद हुआ जिसे "करलीक व दमना" (Kalila wa Dimna) के नाम से जाना जाता है। बाद में इसका अरबी, हिब्रू, ग्रीक, लैटिन और अन्य यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद हुआ। यह विश्व में सर्वाधिक अनूदित प्राचीन ग्रंथों में से एक है।

संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 11 Buildings Paintings and Books, p. 127;

प्र.4. "ओज़ोन परत" किस वायुमंडलीय परत में स्थित है और इसे नष्ट करने वाला प्रमुख रासायनिक यौगिक कौन सा है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: समतापमंडल (Stratosphere); CFC (क्लोरोफ्लोरोकार्बन)

व्याख्या: "ओज़ोन परत" (Ozone Layer) पृथ्वी के समतापमंडल (Stratosphere) में 15-35 किमी की ऊँचाई पर स्थित है। यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों (UV-B और UV-C) को अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करती है। ओज़ोन (O_3) के तीन परमाणु ऑक्सीजन से मिलकर बनते हैं। "CFC" (Chlorofluorocarbon) रेफ्रिजरेटर, एसी और एयरोसोल स्प्रे से निकलती है। ये गैसें समतापमंडल में पहुँचकर पराबैंगनी किरणों से टूटती हैं और क्लोरीन परमाणु मुक्त करती हैं जो ओज़ोन को नष्ट करते हैं। "मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल" (1987) से CFC पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा — यह पर्यावरण कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता मानी जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 218–219;

प्र.5. "भक्ति आंदोलन" के किस संत ने "दोहा" काव्य-रूप में "साखी", "सबद" और "रमैनी" की रचना की और कबीर पंथ की स्थापना हुई? (इतिहास)

उत्तर: कबीर दास

व्याख्या: संत कबीर दास (1440-1518) भक्ति आंदोलन के सबसे प्रभावशाली संतों में से एक थे। वे काशी (वाराणसी) के जुलाहा समुदाय से थे। उनकी रचनाएँ "साखी" (दोहे), "सबद" (पद-गान) और "रमैनी" (चौपाई) — तीन रूपों में हैं। "बीजक" उनका प्रमुख ग्रंथ है। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता, जाति-भेद का विरोध, पाखंड और कर्मकांड की कटु आलोचना की। उनके शिष्यों ने "कबीर पंथ" की स्थापना की। उनकी भाषा "सधुक्कड़ी" या "पंचमेल खिचड़ी" थी जिसमें हिंदी, अवधी, ब्रजभाषा, उर्दू और राजस्थानी का मिश्रण था। उन्हें "निर्गुण भक्ति" परंपरा का सर्वप्रमुख कवि माना जाता है।

संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 8 Devotional Paths to the Divine, p. 104–110;

प्र.6. "भारत की सबसे लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग" कौन सी है और यह किन दो राज्यों/स्थानों को जोड़ती है? (भूगोल)
उत्तर: NH-44 (पूर्व NH-7); श्रीनगर (J&K) से कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
व्याख्या: "राष्ट्रीय राजमार्ग 44" (NH-44) भारत की सबसे लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग है जो लगभग 3,745 किमी लंबी है। यह जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से प्रारंभ होकर जम्मू, दिल्ली, आगरा, मध्य प्रदेश, नागपुर, हैदराबाद, बेंगलुरु से होती हुई तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक जाती है। यह पूर्व के NH-7 और NH-44 के एकीकरण से बनी है। भारत में कुल राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 1.45 लाख किमी से अधिक है। "NH-1" (दिल्ली-अमृतसर) और "NH-2" (दिल्ली-कोलकाता) ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण राजमार्ग हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 7 Lifelines of National Economy, p. 85–88;

प्र.7. "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" (RTI) में नागरिक किससे सूचना माँग सकते हैं और अपील का क्रम क्या है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: लोक प्राधिकरण से; प्रथम अपील — PIO → APIO; द्वितीय अपील — सूचना आयोग
व्याख्या: "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" (Right to Information Act) के अंतर्गत कोई भी नागरिक किसी "लोक प्राधिकरण" (Public Authority) से सूचना माँग सकता है। प्रक्रिया: (1) लोक सूचना अधिकारी (PIO) को आवेदन करें — 30 दिन में उत्तर मिलना चाहिए (जीवन-मरण मामले में 48 घंटे); (2) प्रथम अपील — संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उसी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी (APIO) के पास 30 दिन में; (3) द्वितीय अपील — "केंद्रीय/राज्य सूचना आयोग" (CIC/SIC) के पास। RTI का दायरा: न्यायपालिका, राष्ट्रपति कार्यालय तक, किंतु गुप्त सूचनाएँ, व्यक्तिगत जानकारी और राष्ट्रीय सुरक्षा की सूचनाएँ इससे बाहर हैं।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 10, Ch 5 Popular Struggles and Movements, p. 77;

प्र.8. "स्तनपान" में माँ के दूध में उपस्थित "कोलोस्ट्रम" (Colostrum) शिशु के लिए क्यों विशेष लाभकारी होता है? (विज्ञान)
उत्तर: प्रतिरक्षी (Antibodies) युक्त, प्रथम टीका समान
व्याख्या: "कोलोस्ट्रम" (Colostrum) माँ के स्तन से जन्म के प्रथम 2-3 दिन में निकलने वाला गाढ़ा, पीले रंग का दूध है। यह शिशु के लिए "प्राकृतिक प्रथम टीका" माना जाता है क्योंकि इसमें: (1) "IgA एंटीबॉडीज़" (Immunoglobulin A) प्रचुर मात्रा में होती हैं जो नवजात की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनाती हैं; (2) श्वेत रक्त कणिकाएँ (WBC) जो संक्रमण से लड़ती हैं; (3) विकास कारक (Growth Factors); (4) कम वसा किंतु उच्च प्रोटीन। माँ के दूध में "Lactoferrin" नामक प्रोटीन जीवाणु-विरोधी होता है। WHO की सिफारिश है कि शिशु को पहले 6 माह केवल माँ का दूध पिलाएँ।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 8 How Do Organisms Reproduce, p. 134;

प्र.9. "मध्यप्रदेश की भीमबेटका गुफाएँ" (Bhimbetka Rock Shelters) किस काल की हैं और इनमें क्या विशेष चित्रण है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: पाषाण काल (30,000+ वर्ष प्राचीन); शिकार, नृत्य, जानवरों के शैल-चित्र
व्याख्या: "भीमबेटका की शैलाश्रय" (Bhimbetka Rock Shelters) मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में विंध्याचल पर्वत की तलहटी में स्थित हैं। यहाँ 700 से अधिक शैलाश्रय हैं जिनमें से 400 में पाषाणकालीन शैल-चित्र (Rock Paintings) हैं — ये लगभग 30,000 वर्ष पुराने माने जाते हैं। इनमें शिकार के दृश्य, नृत्य, सामूहिक गतिविधियाँ, जानवर (बाइसन, हाथी, हिरण), ज्यामितीय आकार और प्राकृतिक लाल-सफेद रंगों से चित्रित हैं। ये मानव की प्रारंभिक कलात्मक अभिव्यक्ति के अनमोल साक्ष्य हैं। UNESCO ने 2003 में इन्हें विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। इन्हें डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ने 1957-58 में खोजा था।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 1 What Where How and When, p. 4;

प्र.10. बिहार के "आरा" (भोजपुर जिला) का 1857 के विद्रोह से क्या संबंध है — यहाँ "बाबू वीर कुंवर सिंह" ने क्या किया? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: 1857 विद्रोह का बिहार केंद्र; ब्रिटिश सेना को पराजित किया
व्याख्या: "आरा" (वर्तमान भोजपुर जिला, बिहार) 1857 के विद्रोह में बिहार का प्रमुख केंद्र था। "बाबू वीर कुंवर सिंह" (1777-1858) आरा के जगदीशपुर गाँव के जमींदार थे जिन्होंने 80 वर्ष की आयु में भी ब्रिटिश सेना से लोहा लिया। दानापुर के भारतीय सिपाहियों ने विद्रोह करके आरा पहुँचकर उनकी सेना में शामिल हो गए। वीर कुंवर सिंह ने "आरा की लड़ाई" (25 जुलाई 1857) में कैप्टन डनबर की ब्रिटिश सेना को पराजित किया। युद्ध में घायल होने पर उन्होंने अपनी क्षत-विक्षत भुजा गंगा माँ को समर्पित कर दी। 26 अप्रैल 1858 को उनका निधन हुआ। भारत सरकार ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया है।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 5 When People Rebel, p. 63–65;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत अगस्त W1 (भूकंप सुरक्षा) — यदि भूकंप के समय बच्चे कक्षा में हों और मेज उपलब्ध न हो, तो उन्हें तत्काल क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: भीतरी दीवार से सटकर बैठें, सिर ढकें, खिड़कियों से दूर रहें
व्याख्या: BSDMA के भूकंप सुरक्षा मॉड्यूल (अगस्त W1) के अनुसार, यदि कक्षा में मेज उपलब्ध न हो या पर्याप्त न हो तो बच्चों को: (1) भीतरी दीवार (Load-Bearing Wall) से सटकर बैठें — ये दीवारें बाहरी दीवारों की तुलना में अधिक मजबूत होती हैं; (2) घुटनों के बल बैठकर सिर और गर्दन को दोनों हाथों से ढकें; (3) खिड़कियों, बाहरी दीवारों और भारी अलमारियों से दूर रहें; (4) पंखे, ट्यूबलाइट और लटकती वस्तुओं से दूर हटें; (5) दौड़ने की कोशिश न करें — झटके के दौरान गिरने का खतरा सर्वाधिक होता है। बिहार के कमजोर पुराने विद्यालय भवनों में जहाँ पर्याप्त फर्नीचर नहीं है, यह विकल्प अत्यंत व्यावहारिक है।
संदर्भ: BSDMA Earthquake Safety Module August W1 — Vidyalaya Suraksha Karyakram;

प्र.12. एक दुकानदार ने एक वस्तु पर 25% का लाभ कमाया। यदि उसने 20% कम मूल्य में खरीदी होती, तो वह कितने प्रतिशत लाभ कमाता? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 56.25%
व्याख्या: माना क्रय मूल्य (CP) = ₹100। 25% लाभ पर विक्रय मूल्य (SP) = ₹125। अब नया CP = 100 − 20% = ₹80 (SP वही ₹125 रहेगा)। नया लाभ = 125 − 80 = ₹45। नया लाभ % = (45/80) × 100 = 56.25%। सत्यापन: 80 × 1.5625 = 125 ✓। यह "लाभ-हानि और प्रतिशत परिवर्तन" का एक उच्च-स्तरीय संयुक्त प्रश्न है। BPSC, SSC CGL, Bank PO और Railway परीक्षाओं में "यदि CP बदले तो लाभ% क्या होगा" — इस प्रकार के प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities — Profit and Loss, p. 155–160;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

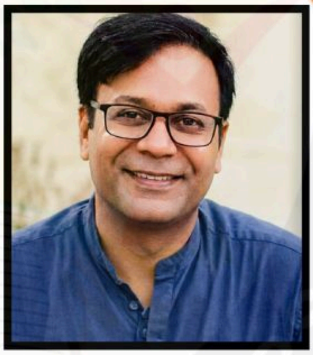

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Gullible (गलिबल) = Credulous (क्रेड्युलस) = आसानी से विश्वास कर लेने वाला / भोलाभाला
Antonym – Skeptical (स्केप्टिकल) = संदेहशील
Heinous (हेनस) = Atrocious (अट्रोशस) = जघन्य / घोर (विशेषकर अपराध)
Antonym – Noble (नोबल) = श्रेष्ठ / प्रशंसनीय
Inculcate (इनकल्केट) = Instill (इन्स्टिल) = मन में बैठाना / सिखाना
Antonym – Eradicate (इरैडिकेट) = उखाड़ फेंकना / समाप्त करना
Jeopardize (जियोपर्डाइज़) = Endanger (एन्डेंजर) = खतरे में डालना
Antonym – Safeguard (सेफगार्ड) = सुरक्षित रखना / रक्षा करना
Kindred (किन्ड्रेड) = Kin (किन) = सजातीय / समान प्रकृति का / संबंधी
Antonym – Unrelated (अनरिलेटेड) = असंबंधित / भिन्न

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: NITI Aayog Unveils 'National Clean Energy Transition Index 2026' Highlighting Grid Modernization and Battery Energy Storage Growth.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2026' का अनावरण किया, जिसमें ग्रिड आधुनिकीकरण और बैटरी ऊर्जा भंडारण वृद्धि को रेखांकित किया गया।
केंद्रीय थिंक टैंक नीति आयोग ने राज्यों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और ग्रिड-स्तरीय बैटरी भंडारण प्रणालियों (BESS) के एकीकरण का मूल्यांकन करने वाला नवीनतम सूचकांक जारी किया है। इस सूचकांक में गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक ने गैर-जीवाश्म ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने और स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विस्तार में शीर्ष प्रदर्शन किया है।

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Cyber Security Operations Grid 3.0' for Critical Infrastructure Protection.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा संचालन ग्रिड 3.0' का शुभारंभ किया।
देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और राष्ट्रीय रक्षा नेटवर्क को जटिल साइबर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने एक नया तकनीकी ढांचा अधिसूचित किया है। इसके अंतर्गत पावर ग्रिडों, बैंकिंग सर्वरों और दूरसंचार नेटवर्क में एआई-संचालित रियल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम तैनात किए जाएंगे और नियमित सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाएगा।

English Headline: ISRO Successfully Completes Flight Acceptance Hot Test of Indigenously Developed Semi-Cryogenic Engine.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने स्वदेशी रूप से विकसित सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे भारत के वाणिज्यिक एवं मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों को महत्वपूर्ण मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations General Assembly Passes Consensus Resolution Establishing Global Regulatory Standards for Space Debris Mitigation.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने के लिए वैश्विक नियामक मानक स्थापित करने वाला एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित सत्र के दौरान, संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) को सुरक्षित और कचरा-मुक्त रखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि ढांचे को मंजूरी दी। इस समझौते के तहत व्यावसायिक उपग्रह ऑपरेटरों के लिए सेवा समाप्त होने के बाद उपग्रहों को कक्षा से सुरक्षित रूप से हटाने (De-orbiting) के कड़े नियम लागू किए गए हैं।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Unveil $2.5 Billion Clean Energy Transition Fund for South Asian Economies.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए $2.5 बिलियन के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण कोष का अनावरण किया।
दक्षिण एशिया में कार्बन पदचिह्न (Carbon Footprint) को घटाने और सौर व पवन ऊर्जा क्षमताओं को ग्रिड से जोड़ने के लिए बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों ने एक बड़ा संयुक्त फंड जारी किया है। इस राशि का प्राथमिक उपयोग भारत, बांग्लादेश और नेपाल में अंतर-देशीय बिजली ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Network 2.0' for Real-Time Outbreak Surveillance.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने रीयल-टाइम प्रकोप निगरानी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स नेटवर्क 2.0' की शुरुआत की।
वैश्विक स्तर पर उभरते संक्रामक रोगों और उनके म्यूटेशन की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस डिजिटल निगरानी मंच का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का एक साथ विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों को समय से पहले चेतावनी देगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Export Promotion Policy 2026' to Encourage Rural Agro-Startups.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण और निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके अंतर्गत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition) तथा निर्यात इकाइयों की स्थापना के लिए सब्सिडी और रियायती दरों पर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन की आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी बिहार के पारंपरिक जल निकायों और पारिस्थितिकीय आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-लिंक्ड जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना और क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Squad Tops Medal Tally at ISSF Junior World Championship with Strong Performance in Pistol Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने पिस्टल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवा निशानेबाजों का दबदबा कायम है। प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धाओं में कई स्वर्ण और रजत पदक जीतकर अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Introduces Updated Athlete Workload Guidelines for Enhanced Injury Prevention.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने चोटों की रोकथाम और खिलाड़ी सुरक्षा के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग
"छोटा पौधा, बड़ा विश्वास"

विद्यालय में औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगी थी। बच्चों ने तुलसी, नीम, गिलोय, एलोवेरा, पुदीना, अजवाइन और लौंग जैसे पौधों को बड़े उत्साह से सजाया था। प्रत्येक बच्चे को अपने पौधे के बारे में जानकारी भी देनी थी।

राजू अपने हाथ में तुलसी का पौधा लिए खड़ा था। तभी एक आगंतुक ने मुस्कुराकर पूछा, “बेटा, इतने छोटे-से पौधे में ऐसी क्या खास बात है?”

राजू ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया, “सर, यह छोटा ज़रूर है, लेकिन इसके गुण बहुत बड़े हैं। हमारे घर में जब किसी को सर्दी-खाँसी होती है, तो दादी तुलसी की चाय बनाती हैं। इससे आराम मिलता है। इसलिए इसे औषधीय पौधा कहा जाता है।”

इतने में प्रधानाध्यापक भी वहाँ आ गए। उन्होंने बच्चों से पूछा, “बताओ, इन पौधों की सबसे बड़ी विशेषता क्या है?”

सुनैना बोली, “सर, ये केवल हमारे बगीचे की शोभा नहीं बढ़ाते, बल्कि स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं।”

प्रधानाध्यापक मुस्कुराए और बोले, “बिल्कुल सही। प्रकृति ने हमें ऐसी अनमोल औषधियाँ दी हैं, जिनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। यदि हर घर और हर विद्यालय में कुछ औषधीय पौधे लगाए जाएँ, तो वातावरण भी शुद्ध होगा और लोग इनके महत्व को भी समझेंगे।”

प्रदर्शनी समाप्त होने पर प्रत्येक बच्चे को एक-एक औषधीय पौधा घर ले जाने के लिए दिया गया।

राजू ने पौधा हाथ में लेते हुए कहा, “आज मैं केवल एक पौधा नहीं ले जा रहा, बल्कि अपने परिवार के लिए स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा का संदेश भी ले जा रहा हूँ।”

प्रेरणा : प्रकृति हमारी सबसे बड़ी वैद्य है। जो औषधीय पौधों का संरक्षण करता है, वह केवल हरियाली ही नहीं, बल्कि स्वस्थ भविष्य भी उगाता है।

"एक पौधा लगाइए, स्वास्थ्य बचाइए; प्रकृति से जुड़िए, जीवन संवारिए।"

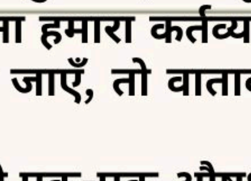

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव — सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण● बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : शेखपुरा, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

शेखपुरा: मगध का सीमांत, गिरहिंडा पहाड़ी और लघु भू-आकृतिक ढांचा

भौगोलिक, प्रशासनिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से शेखपुरा दक्षिण बिहार के हृदयस्थल में स्थित एक अत्यंत सघन और रणनीतिक ज़िला है। वर्ष 1994 में मुंगेर ज़िले से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह ज़िला मुंगेर प्रमंडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में नालंदा और पटना (टाल क्षेत्र), पूर्व में लखीसराय, दक्षिण में जमुई व नवादा तथा पश्चिम में नवादा और नालंदा ज़िलों को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति शेखपुरा को मगध और अंग क्षेत्रों की संस्कृतियों के बीच एक अनूठा मिलन बिंदु बनाती है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता हरोहर (Harohar) और तटी (Tati) जैसी बरसाती नदियों का प्रवाह तंत्र है, जो छोटानागपुर पठार की उत्तरी ढलानों से निकलकर मैदानी भाग को सींचती हैं। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से शेखपुरा का भूगोल दो मुख्य भागों में विभक्त है—उत्तरी एवं पश्चिमी भाग, जो अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मैदान (टाल का दक्षिणी विस्तार) है, तथा मध्य व दक्षिणी भाग, जहाँ गिरहिंडा (Girhinda) और शेखपुरा पहाड़ियाँ स्थित हैं। ये पहाड़ियाँ क्वाटर्ज़ाइट और कड़े नीस चट्टानों से बनी हैं, जो स्थानीय भू-दृश्य को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

यहाँ की 'गिरहिंडा पहाड़ी' न केवल भू-वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय जल-पुनर्भरण (Groundwater Recharge) और सूक्ष्म-जलवायु का भी मुख्य आधार है। ज़िले की मिट्टी मुख्य रूप से 'बलसुंदरी' और 'दोमट' का मिश्रण है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों के निकट 'केवाल' और 'लाल मिट्टी' पाई जाती है। ज़िले के उत्तरी प्रखंडों (जैसे अरियरी और चेवाड़ा के कुछ भाग) में टाल जैसी भौगोलिक विशेषताएं पाई जाती हैं, जहाँ मानसून के दौरान जल-जमाव रहता है और जल उतरते ही दलहन व तिलहन की सघन खेती की जाती है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। गर्मियों में पहाड़ियों के प्रभाव से तापमान काफी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है। इस विशिष्ट भूगोल के कारण शेखपुरा की कृषि आर्थिकी मुख्य रूप से रबी फसलों—विशेष रूप से चना, मसूर, सरसों और गेहूं—पर आधारित है। इसके साथ ही, गिरहिंडा और आसपास की पहाड़ियों से मिलने वाले गिट्टी व पत्थर खनन (Stone Crushing Industry) ने स्थानीय स्तर पर निर्माण सामग्री का एक बड़ा क्लस्टर निर्मित किया है। परंतु, छोटा आकार होने के बावजूद मानसूनी वर्षा की अनिश्चितता और सीमित सिंचाई तंत्र यहाँ के किसानों के लिए एक प्रमुख भौगोलिक चुनौती बना रहता है।

गिरहिंडा पहाड़ियों के विशाल शिलाखंडों, हरोहर नदी की धारा और टाल-मैदानी भूगोल का यह प्रामाणिक विश्लेषण दक्षिण बिहार के लघु ज़िलों की भौगोलिक बनावट और संसाधन प्रबंधन को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है। ....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

शैलेन्द्र कुमार एवं अभिषेक कुमार

दैनिक जागरण

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानि

वाद सू. जागरण • बगहा : विभाग द्वारा प्रधान शिक्षकों की तैनाती के द विद्यालयों का शैक्षणिक माहौल न र्फ बेहतर हुआ है बल्कि बच्चों की पस्थिति भी बढ़ी है। सच्ची र्तव्यनिष्ठा और दूरगामी सोच की दौलत कई शिक्षक अपने विद्यालयों ा माहौल बदलने में सफल हो रहे। सी कड़ी में प्रशासनिक स्तर पर हतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को म्मानित किया जा रहा ताकि दूसरे ससे प्रेरणा ले और बेहतर करने के ए प्रेरित हों। शनिवार को शिक्षा के त्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित वा के लिए बगहा दो प्रखंड के दो क्षकों क्रमशः शैलेन्द्र कुमार और भिषेक कुमार को रमना स्थित डिटोरियम हाल में आयोजित भव्य म्मान समारोह में ज़िला पदाधिकारी रनजोत सिंह ने सम्मानित किया। ह सम्मान समारोह जिले के उत्कृष्ट र्मियों के उत्साहवर्धन के लिए ायोजित किया गया था। लाधिकारी ने सभी चयनित कर्मियों शस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। ले में शिक्षा के क्षेत्र में विशेष गदान के लिए इन दोनों शिक्षकों का

डीएम से सम्मान प्राप्त करते शिक्षक • सौ. स्वयं

चयन पूरे जिले की समीक्षा के बाद किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर तथा अभिषेक कुमार। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला बगहा दो के प्रधान शिक्षक हैं। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि इस प्रशस्ति-पत्र ने यह साबित कर दिया है कि निष्ठा, कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण कभी बेकार नहीं जाता। दोनों प्रधान शिक्षकों ने अपने नवाचारी विचारों और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल अपने विद्यालयों की तस्वीर बदली, बल्कि पूरे बगहा दो प्रखंड का मान पूरे जिले में बढ़ाया। इस दोहरी

प्रशस्ति पत्र दिखाते शिक्षक • सौ. स्वयं

सफलता पर शिक्षा जगत में खुशी लहर दौड़ गई है। स्थानीय शिक्ष ग्रामीणों और शिक्षा विभाग अधिकारियों ने दोनों सम्मा शिक्षकों को बधाई दी।

हिन्दुस्तान

बेहतर काम के लिए डीएम ने दो शिक्षकों को किया सम्मानित

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान शिक्षक को सम्मानित करते डीएम।

बगहा, हमारे संवाददाता। जब लगन सच्ची हो और कुछ नया करने का इरादा हो तो मार्ग खुद ब खुद ही मिल जाता है। कुछ इसी प्रकार का मामला बगहा दो प्रखड के दो शिक्षकों का है। पिछले दिनों हुए समारोह कार्यक्रम के दौरान डीएम ने जिले के 18 प्रखंडो के सैकड़ों शिक्षकों के बीच से बगहा दो के दो शिक्षकों को बेहतर करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम रमना स्थित ऑडिटोरियम हॉल में हुआ था। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे जिले से शिक्षा के क्षेत्र में बगहा-2 के

18 प्रखंडों के शिक्षकों में किया गया चयन

दो प्रधान शिक्षकों का चयन किया गयस था इसमें पीएम बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार व पीएस करमाहा थारु टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार शामिल थे। सोमवार को शिक्षको ने बताया कि सुदूर ग्रामीण व थारू बाहुल्य क्षेत्रों के विद्यालयों में पठन-पाठन का माहौल बदलकर, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और प्रशासनिक स्तर पर मिसाल कायम करने के लिए उन्हें यह 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है।

दैनिक भास्कर — बेतिया भास्कर 27-07-202

जिले के सम्मान मंच पर चमका बगहा-2, शिक्षक सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बगहा

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार की दिशा में बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों को जिला स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। बेतिया के रमना ऑडिटोरियम में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पूरे पश्चिम चंपारण जिले में केवल बगहा-2 के ही दो प्रधान शिक्षकों का चयन हुआ। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेंद्र कुमार तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, करमाहा थारू टोला के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। दोनों शिक्षकों को विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों

शैलेन्द्र कुमार

अभिषेक कुमार

की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए यह सम्मान मिला। डीएम एवं विभाग ने इनके कार्यों को अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय बताया। पूरे जिले से शिक्षा विभाग में सिर्फ दो प्रधान शिक्षकों का सम्मानित होना बगहा-2 के लिए विशेष उपलब्धि माना जा रहा है। इससे यह संदेश भी गया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सरकारी विद्यालयों में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान और सराहना हो रही है।

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री.......शैलेन्द्र कुमार.......

पदनाम.......प्रधानाध्यापक.......विभाग/शाखा.......रा० प्रा० वि० बोदसर बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

बिहार सरकार

समाहरणालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया

प्रशस्ति - पत्र

श्रीमती/सुश्री/श्री.......अभिषेक कुमार.......

पदनाम.......प्रधानाध्यापक.......विभाग/शाखा.......रा० प्रा० वि० करमाहा थारू टोला बगहा-2

को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए यह प्रशस्ति - पत्र प्रदान किया जाता है।

जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

तरनजोत सिंह, भा. प्र. से.
जिला पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण, बेतिया

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org